सूती कपड़े का निर्यात

5422. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी 1967 से नवम्बर 1967 तक किन किन देशों को सूती कपड़े का निर्यात किया गया तथा कितना कपड़ा निर्यात किया गया और निर्यात किये गये कपड़े में से कितना कपड़ा सरकारी क्षेत्र द्वारा तथा कितना गैर-सरकारी क्षेत्र द्वारा निर्यात किया गया; और

(ख) उन देशों के नाम क्या हैं, जहां भारतीय सूती कपड़े की और अधिक मांग है तथा 1967-68 के अन्त तक कुल कितने सूती कपड़े की निर्यात किये जाने की सम्भावना है तथा इससे अनुमानतः कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित किये जाने की आशा है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मन्त्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) : (क) और (ख). जनवरी-अक्तूबर, 1967 की अवधि में जिन देशों/क्षेत्रों को सूती कपड़े का निर्यात किया गया है उनके नाम तथा सूती थानों के निर्यात के देशवार आंकड़े तथा सूती कपड़े के कुल निर्यात के मूल्य उनके महत्व के अनुसार ऊपर से नीचे तक सभा पटल पर रखे गये विवरण में दिखाए गए हैं। [पुस्तकालय में रख दिया गया। देखिये संख्या—LT2166/67] चूंकि निर्यातकों की संख्या बहुत है इस लिये यह कहना कठिन है कि सरकारी क्षेत्र में उत्पादकों ने कितने माल का निर्यात किया है। फिर भी अधिकांश निर्यात निजी उत्पादकों ने किया है।

वर्तमान प्रवृत्तियों के आधार पर 1967-68 में लगभग 95 करोड़ रुपये के मूल्य के सूती कपड़े के निर्यात होने की सम्भावना है।

पटसन का निर्यात

5423. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1967 से नवम्बर, 1967 तक और 1966-67 के दौरान कितने टन पटसन का निर्यात किया गया और इससे कितनी विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई; और

(ख) 1967-68 के दौरान पटसन का कितना निर्यात किये जाने की सम्भावना है और इससे कितनी विदेशी मुद्रा प्राप्त होने की सम्भावना है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मन्त्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी): (क) सम्भवतः पटसन के बने माल से आशय है। आंकड़े केवल अगस्त 1967 तक उपलब्ध हैं। जनवरी-अगस्त 1967 की अवधि में 168.06 करोड़ रु० (22.4 करोड़ डालर के बराबर) मूल्य के 5,22,200 मे० टन माल का निर्यात हुआ। 1966-67 में 235.2 करोड़ रु० (33.44 करोड़ डालर के बराबर) मूल्य के 7,34,200 मे० टन का निर्यात हुआ था।

(ख) इस समय कोई अनुमान बताना सम्भव नहीं है, परन्तु 1966-67 की अपेक्षा निर्यात में कुछ सुधार होने की आशा है।

New Industrial Units in Gujarat

5424. SHRI NARENDRA SINGH MAHIDA : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) the new industrial units set up in Gujarat during 1966-67 and the extent to which they have proved successful; and

(b) the total amount granted by Government during the said period?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED): (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the House in due course.

Industries in Gujarat

5425. SHRI NARENDRA SINGH MAHIDA: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of licences granted for set-